Jhelum Project

+
*725. Shri Rameshwar Tantia:
Shri Raghunath Singh:
Shrimati Maimoona Sultan:
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to fefer to the reply given to Unstarred Question No. 181 on the 25th April, 1962 and state:

(a) whether any final decision has been taken by the Central Water and Power Commission on the report submitted to it by the Jammu and Kashmir Government on the proposed Jhelum Project;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if the reply to part (a) above be in the negative what are the reasons for delay?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation and Power (Shri Alagesan): (a) No; Sir.

(b) Does not arise.

(c) The original scheme prepared by the Government of Jammu and Kashmir was examined by the Central Water and Power Commission, and the Commission suggested certain modifications therein. The State Government thereafter revised the report in the light of the suggestions made. The revised report is now being examined by the Commission.

श्री रघुनाथ सिंह : यह मैं जानना चाहता हूं कि कश्मीर सरकार ने जो रिवाइज्ड रिपोर्ट आप के सामने रक्खी है उस रिपोर्ट के अनुसार इस प्रोजेक्ट पर खर्च कितना होगा और कब तक इस के पूर्ण होने की आशा है ?

Shri Alagesan: The project is initially intended to generate 50 megawatts of power and ultimately 117 megawatts. At the ultimate stage the project is expected to cost about Rs. 17 crores. It has been included in the Third Plan and a provision of Rs. 387.79 lakhs has been made in the Third Plan.

'ट्रंक डायलिंग योजना'

*७२६. **श्री विभूति मिश्र**: क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जिन शहरों में "सब्सक्राइबर ट्रंक डायलिंग" योजनायें मंजूर की गई थीं क्या उन में इसे लागू कर दिया गया है ; और

(ख) यदि नहीं, तो लागू करने की दिशा में क्या प्रगति हुई है ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भगवती) : (क) उन्हें उत्तरोत्तर लागू किया जा रहा है । पहली दो प्रणालियों —लखनऊ—कानपुर और दिल्ली—आगरा— में पहले से ही चालू की जा चुकी है ।

(ख) शेष योजनाओं के १९६३–६४ के दौरान पूरा हो जाने की संभावना है।

श्री विभूति मिश्र : मैं यह जाना चाहता हूं कि यह ट्रंक डायलिंग योजना पटना—कलकत्ता और अन्य शहरों के बीच में कब तक चालू करने का विचार है ?

Shri Bhagwati: That will depend upon laying of co-axial cables and providing a large number of stable trunk circuits. On certain routes co-axial cables are being laid. When these things are completed and the special equipment also is ready, this programme can be taken up.

श्री विभूति मिश्र : मैं यह जानना चाहता हूं कि यह ट्रंक डायलिग योजना इंट्रोड्यूस करने से ट्रंक-काल करने वालों को क्या सहूलियत पहुंचती है ?

Shri Bhagavati: They can directly get a point-to-point connection. A subscriber in a particular place can dial directly a subscriber in another station. The installation of this equipment now is limited to a distance of about 500 kilometres. Beyond that, we do not know as yet how we can solve the technical problems.

श्री बृज बिहारी मेहरोत्रा : क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि दिल्ली कानपुर लाइन पर यह सेल्फ डायल योजना कब तक चालू हो जायेगी ? इस का ट्राइल भी हो चुका है।

Shri Bhagavati: Delhi-Kanpur: it is likely to be completed during 1963-64.

Shrimati Savitri Nigam: When this scheme has proved to be so good and so effective, may I know whether an overall plan to connect all the important cities each other has been made and if the answer is in the affirmative, when it will be implemented?

Shri Bhagavati: This equipment is to be introduced in some major stations. There are proposals. It will take some time. Before introducing this system, we have to lay co-axial cables. I have already said that the introduction of this equipment or system depends upon a large number of stable trunk circuits which, again, depend on the laying of co-axial cables.

Shri K. N. Pande: May I know what experience has been gained by the Government by this scheme: whether it is advantageous or disadvantageous?

Shri Bhagavati: They are certainly advantageous. It is a landmark in the history of telecommunication in this country.

Shri Dasappa: May I know when the co-axial cable project is expected to be completed according to the present plan?

Shri Bhagavati: During the Third Five Year Plan period. It is expected that we may complete in the main routes.

श्री भानुप्रकाश सिंह : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि दिल्ली–आगरा और कानपुर–लखनऊ के पश्चात् वह कौन से भाग्यशाली दो नगर होंगे जिनको कि इस योजना का निकट भविष्य में लाभ होगा ?

Shri Bhagavati: I can hardly say anything.

श्री म० ला० द्विवेदी : जो योजना सरकार ने बनाई थी उसमें किन किन शहरों के बीच में यह योजना चालू करने के लिये प्राथमिकता दी गई है ?

Shri Bhagavati Already these schemes have been sanctioned: Delhi-Kanpur, Delhi-Lucknow, Agra-Kanpur, Agra-Lucknow, Kanpur-Varanasi.

दिल्ली में आयुर्वेदिक कालिज

\+

*७२७. { **श्री भक्त दर्शन :**
श्री भागवत झा आजाद :
श्री वी० चं० शर्मा :

क्या स्वास्थ्य मंत्री १६ जून, १९६२ के तारांकित प्रश्न संपेया १४९५ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंग कि आयुर्वेदिक कालिज दिल्ली को भारत सरकार के सीधे नियंत्रण मे लाने की दिशा में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० द० स० राजू) : इस कालेज का और अधिक विकास करने के बारे में सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिये आयुर्वेदिक और यूनानी तिब्बिया बोर्ड ने पांच सदस्यों की एक समिति बनाई है, जिसके अध्यक्ष सुपरिन्टेंडेंड मेडिकल सर्विसेज दिल्ली हैं। इस विषय पर आगे विचार करने से पूर्व, हम इस समिति की सिफारिशों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

श्री भक्त दर्शन : यह जो एक छोटी कमेटी बनाकर सुझाव मांगे गये हैं क्या इस का अर्थ यह तो नहीं है कि जो बुनियादी प्रश्न है कि केन्द्रीय सरकार इसको अपने हाथ में ले ले, उसको समाप्त कर दिया गया है या उस पर अभी भी विचार किया जा रहा है ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : श्रीमन्, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस को लेने